

INNOVATIVE INITIATIVE

1. INTERNATIONAL WORLD FOOD DAY AS AN INNOVATIVE ACADEMIC AND ENTREPRENEURIAL PRACTICE

The celebration of International World Food Day at Vallabh Government College, Mandi, organized by the Vallabhanian Botany Club in collaboration with the Research and Innovation Committee, stands out as an innovative academic and entrepreneurial practice of the institution. The event integrated classroom learning with experiential and community-based activities through student-led presentations, expert lectures, poster-making and declamation competitions, and a vibrant exhibition. B.Sc. students showcased and sold plantlets raised in self-prepared nurseries, value-added food products, and educational materials related to wild and nutrient-rich foods, thereby promoting traditional knowledge, sustainable food practices, and entrepreneurship. Active participation from self-help groups, faculty, scholars, media, and community members ensured wide outreach, while the revenue generated through sales highlighted the practical and economic impact of the initiative. Overall, the event fostered innovation, leadership, sustainability awareness, and skill development among students, reflecting the institution's commitment to holistic and practice-oriented education.

https://www.vgcmandi.co.in/Botany_dept.aspx

Title of Activity	Nursery Plant Raising, Marketing of Platelets, and Preparation of Innovative Value-Added Food Items.
Organizing Department	Botany department.
Collaborating agency/department (if any)	Research and innovation committee of college
Date of activity	26 th Oct, 2024)
Overview of Programme	Vallabhanian Botany Club along with Research and innovation committee of Vallabh Government College, Mandi, organized a grand event on October 26 to commemorate World Food Day. The program commenced with a warm welcome extended by the college principal, Ms. Surina Sharma, to the chief guest, Padma Shri Nek Ram Sharma, and the special guest, Mr. L.D. Thakur from the Food Department of Zonal Hospital, Mandi. The chief guest, Shri Nek Ram Sharma, shared his insights on the importance of natural and traditional food and encouraged students to adopt a healthy diet. Special guest Shri L.D. Thakur emphasized the benefits of nutritious food and advocated for a healthy lifestyle.

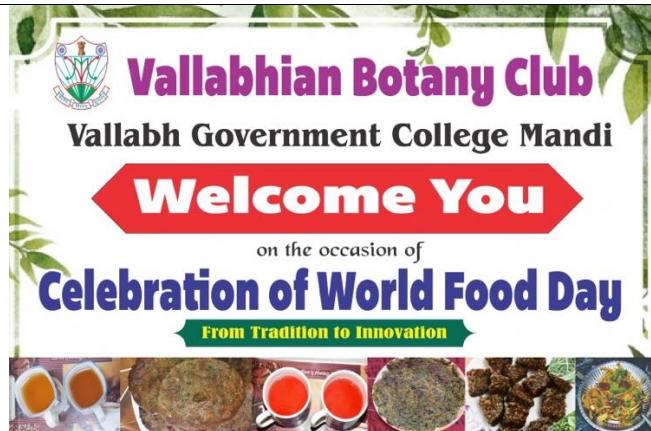
The highlight of the event was an exhibition where first- and second-year B.Sc. students displayed plants from their self-prepared nurseries in collaboration with research and innovation committee, which were also available for sale. The exhibition showcased study materials, posters, and traditional food items related to wild and nutrient-rich foods. Additionally, students presented delicious homemade dishes, while women from self-help groups exhibited handcrafted items and food products made from pine needles. As a result of their efforts, the plantlets raised by the students were sold for Rs. 3,700, while the value-added recipes earned profit of Rs. 6,000 through sales. The students not only gained practical experience but also earned recognition and financial reward for their entrepreneurial spirit.

Second-year B.Sc. students Sonakshi and Suhani delivered a presentation on the theme of "Food Day," which was highly appreciated by the audience. Dr. Tara Devi Sen spoke about the significance of food and its role in our lives. The event was coordinated by Dr. Deepali Ashok, Assistant Professor of the Botany Department.

The program witnessed enthusiastic participation from students. Competitions such as poster-making and declamation were organized, allowing students to showcase their creativity and oratory skills. Abhilasha, Kalpana, and Sudha won prizes in the declamation contest, while Ujjwal Sharma, Sonakshi, and Manasvi were awarded for their posters.

Final-year scholarship students played a crucial role in making the event a success, dedicating significant time and effort to its preparations. Their hard work and commitment were evident throughout the program. The event garnered significant attention, attracting more than 400 students, 80 faculty members, 20 media persons, and 50 community members. The exhibition served as a platform to not only highlight the students' creativity but also to promote sustainability in food production and gardening practices.

The event also saw participation from professors and students of Sardar Patel University and the college, making it a memorable celebration. PTA representative Mr. Anil also graced the occasion.





पदमश्री नेकराम ने छात्रों को स्वास्थ्यवर्धक खानपान अपनाने को किया प्रेरित

खबरनामा ब्लॉग
बलभियन बाटोनी वर्षाव, बलभियन कॉलेज ने शनिवार को विश्व खाद्य दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत कॉलेज प्राचार्य सुरीना शर्मा द्वारा मुख्य अंतिम पदार्थी नेव राम शर्मा और विशेष अंतिम जोनल अस्पताल मंडी के खाद्य विभाग के एलडी बबूर का स्वागत कर की रही।

मुख्य अंतिम ने प्राक्रिक और पारंपारिक खाद्य पदार्थों के महत्व पर अपने विचार साझा कर छात्रों को स्वास्थ्यवर्धक खानपान अपनाने के लिए प्रेरित किया। एलडी बबूर ने पोषक खाद्य पदार्थों के लाभों पर प्रकाश डालते हुए स्वस्य जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम

का मुख्य अंतिम प्रदर्शन किया और उन्हें विक्री करने के लिए उपलब्ध कराया। विक्री के लिए विक्री वर्ष की छात्राओं सोनानी-सुहानी ने पूछ डें की थीम पर अपनी प्रेरित विक्री की, जिसे दर्शकों द्वारा खूब सराहा गया। कार्यक्रम में डॉ. तारा देवी बेन

ने खाद्य पदार्थों के महत्व पर अपना वक्तव्य दिया। वीएससी दिनांक वर्ष की छात्राओं सोनानी-सुहानी ने पूछ डें की थीम पर अपनी प्रेरित विक्री की, जिसे दर्शकों द्वारा खूब सराहा गया। कार्यक्रम में डॉ. तारा देवी बेन

ने खाद्य पदार्थों के महत्व पर अपना वक्तव्य दिया। इस कार्यक्रम में वाचन प्रतियोगिता में अभियान, कल्पना, और सुधा ने पुरस्कार जीते, जबकि पोस्टर बनाने का पुरस्कार उच्चल शर्मा, सोनाशी, और मानस्ती को मिला।

मंडी कालेज में खूब बिके कोदरे के चाउमिन

जगरण संशोधनाता, मंडी : अगर आप चाउमिन खाने के लिए जाने हैं तो मंडे के बजाय कोदरे के आटे से तेयार चाउमिन आजको स्वाद भी देंगे और सेतुत को भी चान रखेंगे। शनिवार को वल्लभ कालेज मंडी में चाउमी विधान की ओर से आयोजित विश्व खाद्य दिवस के कार्यक्रम में कोदरे के चाउमिन खूब बिके। समारोह में पद्मश्री नेकराम शर्मा मुख्य अधिकारी रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्राचार्य सुरीना शर्मा ने किया। वहीं खाद्य सुक्षम विधान के सहायक आयुक्त एवं डॉक्टर विशेष अधिकारी रहे।

बाटने विधान को प्रवक्तव्य प्रो. तात्पर्यन ठाकुर ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अधिकारी नेक राम शर्मा ने प्राकृतिक और पारंपरिक खाद्य पदार्थों के महत्व बताया और छात्रों को स्वास्थ्यवर्धक खानापान अपनाने के लिए प्रेरित किया। एहंडा ठाकुर ने पोषक खाद्य पदार्थों के लिए पर विधान छालते हुए स्वयं जीवनसौलों अपनाने का संदेश दिया। प्रो. तात्पर्यन ने बताया कि चाउमिन आज हाँ कोई खाता है, लेकिन मंडे के चाउमिन नुस्खानदेह हैं। कोदरे के आटे से बने चाउमिन सेतुत का खाल रखेंगे। छात्रों ने पथर चट्ठों को चट्ठों मी इसके साथ परोसी को रोग प्रारोगिक श्वसन बढ़ाने का काम करती है। इस आयोजन की संरोक्त असिस्टेंट प्रोफेसर वसन्तिविधान द्वारा दीपाली अशेषक विक्री के लिए भी रखा। छात्रों द्वारा

- बाटनी विधान ने विश्व खाद्य दिवस पर आयोजित किया कार्यक्रम
- पद्मश्री नेकराम ने बताया मोटे अनाज व पर्यावरण संरक्षण का महत्व



कोदरे के आटे से तेयार चाउमिन ● जगरण

दिवाली पर मिलेगी कोदरे की मिठाई



मिठाई तेयार करती एक पर्याप्ती से जुड़े स्वयं सहायता समूहों की सहयोगी, जगरण ● सरकारी विधान उत्पादक संघ (एपीओ) और से बनाई गई कोदरे के लड्डू धमंपुर में दिवाली पर विशेष कोदरे व वार्षी चान, गुलाब जामुन, पासों व फलों की मिठाई लोगों तक पहुंचाए। संघ के पेंडे व लड्डू मुख्य मेले के मुख्य आकर्षण रहेंगे। वहीं चान की चुख, कुल्लं के सिंहदूर के अलावा कन्चनरिता भी मेले में उपलब्ध होंगी। कुल्लंवी टोपी, मफलत, शाल, छानु, चुरांग-करसोन का अनंत दाना, चोल के चबालों के प्रेडकर भी मेले में उपलब्ध होंगे। इसके अलावा गोहर के लाल कुपी, बाबानी और सुधा के कच्छू, तथा एकपीछे द्वारा तेयार किया गया शुगर कंट्रोल आदा, हल्दी पातड़ और शामिल हो चुके हैं। 28 व 29 अक्टूबर को लगाने वाले दीपाली होंगा।

बनाए गए स्वादिष्ट व्यंजनों और स्वयं सहायता समूहों द्वारा कल्पना, और सुधा ने पुरस्कार जीत, जीतकर पोस्टर बनाने का पुरस्कार उत्तम शर्मा, सोनारी, और मानस्वी विक्री के लिए भी रखा। इस मोके पर आयोजित किया गया। इस मोके पर आयोजित वाचन प्रतियोगिता में अमिलाला, वाचन एवं विवाहितों ने वेश पोशे के रोग विधान विधायिका विधान के जन प्रतिनिधियों के सहयोग से सहयोग करते हुए।

छात्राओं ने लगाए पौष्टिक आहार और पौधों के स्टॉल

पुष्टराज, मंडी

वल्लभिन्न बॉटनी क्लब, वल्लभ राजकीय मंडी ने शनिवार को विश्व खाद्य दिवस मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय द्वारा मुख्यातिरिक्त पद्मश्री नेक राम शर्मा और प्राचार्य सुरीना शर्मा द्वारा नेक राम शर्मा और विश्व अधिकारी जोनल अस्पताल मंडी के खाद्य विधान के एलडी ठाकुर का स्वागत करके किया।

नेक राम शर्मा ने प्राकृतिक और पारंपरिक खाद्य पदार्थों के महत्व पर अपने विचार साझा किए और छात्रों को स्वास्थ्यवर्धक खानापान अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा



की आज के समय में जो खाना हमारी थाली में पहुंच रहा है, वो सुरक्षित और पौष्टिक आहार नहीं है। उन्होंने कहा की जो असल में खाना सही हमारे शरीर के लिए था वो करती है लेकिन हमने अस्वस्थ आहार को पौष्टिक आहार में बदलने तैयार किया गया था जिसमें फाइबर था, लेकिन आज के समय में हम करते हुए वाचन प्रतियोगिता में अमिलाला, वाचन एवं सब भलीभांती जीतते हैं।

इस दौरान छात्राओं ने स्टॉल भी लगाए थे जहां पर पौष्टिक आहार एवं वनस्पति पौधों को रखा गया था जिसमें

उर्मिता ने बताया कि युवा पीढ़ी बहुत ही अस्वस्थ आहार का सेवन करती है लेकिन हमने अस्वस्थ आहार को पौष्टिक आहार में बदलने का प्रयास किया है। उर्मिता ने अधिक मुनियों द्वारा प्राकृतिक रूप से बताया कि हम कोदो आदा नूडल बना रहे हैं जिसमें कोदरे के आटे का प्रयोग किया गया है। (अनंत ज्ञान)

<p>जानकारी वल्लभ कालेज में शिशु साक्ष दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में प्रवक्ता नेक राम शर्मा ने किरण आकांक्षा</p>	<h2>भोजन पेट ही नहीं, सेहत के लिए भी जरूरी</h2> <p>दिव्य हिमाचल ख्यूरो- गढ़ी</p> <p>जीर लात्री की स्पास्यवार्षक खुलासन अपनीने के लिए प्रोत्तर वालींधन बांडीनी कला वालाम राजसीमा नामांधनालाप भंडी ने 26 द दे गया ही आवायपता कर्मा अकाल यक के विश्व खाल दिवस के पांही। भोजन तो इम दर दरोव करते अवसर पर एक बद्य कार्यक्रम का है। उन्होंने कहा कि बाहर जहां-आयोजन किया। कार्यक्रम की दुर्विधर्व ने इमान लिए। या वाहारपुका शुरुआत नामांधनालाप के प्राचीन अवसरों की लात्री को थी। अब तिस भूमि नामा द्वारा मुख्य अविभिन्न प्राचीन नेक राम शर्मा और सेहत के लिए, हानिकारक है। विश्व अतिथि जीनल उत्तमाला नहांने कहा कि सेहत अवधी ही तो मंडी के लाला कार्यक्रम के एहती द्वारा अचूक है। नेकापाम शर्मा ने लाकर का लाला प्राचीन किया। मुख्य कहा कि भोजन समारोह भूमि ने अविभिन्न नेक राम शर्मा में प्राकृतिक तीर पारंपरिक खाल पदार्थों के महात्म पर अपने विचार साला किए।</p> <p>अंतर्वार्ता की स्पास्यवार्षक खुलासन अपनीने के लिए प्रोत्तर वालींधन बांडीनी अपनीने का सदेश दिवा। कार्यक्रम का मूलग आकांक्षा प्रवक्ता प्रवक्ता ही रही। विसमें नामांधनालाप के योग्यसंस्थ प्रधम और वित्तीय वर्ष के लात्री ने अपनी नीपां की दुर्व भरती के पांहीं का विश्व किया और उन्हें विश्व के लिए भी राम। प्रदर्शनी में जीली खाल पदार्थों से संबंधित अपूर्व खाल पदार्थ से निर्मित नेकापाम शर्मा, चोटरन और अध्ययन समाजी, चोटरन और लेमेशन द्वारा प्राचीन नामांधन और खाल सामाजिकों का प्रतिमानितांत्रों का आयोजन किया गया। इस गति। विसमें विद्यार्थियों ने अपनी भूमि नेक राम शर्मा और लाला कार्यक्रम की लात्री के लिए जबर्दी प्रदर्शन किया गया। लात्री द्वारा अपेक्षन की संयोजक द्वा. योगांती कलाप्रक और वर्क्ट अमना का भूमि नेक राम शर्मा और लाला कार्यक्रम प्रदर्शन किया।</p>
<p>Outcomes</p>	<p>This program aligns with the goals of fostering hands-on learning, entrepreneurial acumen, and research-oriented innovation among students under the guidance of experts.</p> <ul style="list-style-type: none"> Skill Development: Equipped students with practical knowledge and techniques for raising nursery plants and preparing innovative food products. Entrepreneurial Training: Provided insights into marketing strategies for platelets and processed food items. Value Addition: Encouraged students to explore and develop value-added products with a focus on sustainability and innovation. Interdisciplinary Approach: Promote collaboration between botany, agriculture, and food science.



Principal
Vallabh Govt College Mandi HP

INNOVATIVE INITIATIVE

2. Report on Institutional Visit and Outreach Activities at Sahyog Residential School for Specially-Abled Children

Community participation is a central component of the extension and outreach philosophy of Vallabh Government College, Mandi. The institution consistently encourages its departments to undertake socially responsive initiatives that promote experiential learning, civic responsibility and inclusive values. Through such engagements, students gain meaningful exposure to real-life contexts and diverse learner needs, strengthening the institution's commitment to holistic and socially relevant education.

In alignment with this institutional vision, two separate community-oriented events were conducted by two departments of VGC Mandi at Sahyog Residential School for Specially-Abled Children, Balh, Mandi.

1. An Educational Excursion organised by the Department of Education on 23 November 2024, aimed at studying institutional practices in special education.



2. A Skill Development Programme, coordinated by the Botany department of the college in collaboration with Rotary Club Mandi and Rotary Club Nerchowk, focusing on vocational training and environmental sustainability.

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को किया जाएगा प्रशिक्षित



शिविर के आरंभ पर रोटरी क्लब और प्रशिक्षक बच्चों के साथ • जागरण

संवाद सहयोगी, जागरण • मंडी : समावेशन, पर्यावरणीय स्थिरता और कौशल विकास की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम उठाते हुए रोटरी क्लब मंडी और नेरचौक न संयुक्त रूप से सहयोग और साकार विद्यालयों के विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए 10 दिवसीय कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इसका उद्घाटन सहयोग विद्यालय में हुआ, इस विशेष कार्यक्रम के अंतर्गत मानसिक रूप से मंट बच्चों को चीड़ की सूखी पत्तियों से पारंपरिक व पर्यावरण अनुकूल उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

इस अभियान में वल्लभ राजकीय महाविद्यालय मंडी का वनस्पति विज्ञान विभाग भी सक्रिय सहयोग दे रहा है।

इस प्रशिक्षण का नेतृत्व कर रही हैं प्रसिद्ध इको-उद्यमी संतोष

सचदेवा, जो स्थानीय मेलों, उत्सवों और प्रदर्शनियों में चीड़ की पत्तियों से बने उत्पादों को सफलतापूर्वक बेचती रही हैं।

इस अवसर पर रोटरी क्लब मंडी के अध्यक्ष हेमराज, सचिव कौशलेश कपूर, मंडी कालेज में वनस्पति विज्ञान विभाग की वरिष्ठ प्राच्यापक डा. तारा सेन, मंडी रोटरी क्लब की ओर से सुरेंद्र मोहन, एमएल गुप्ता, लता गुप्ता, धर्मेंद्र राणा के अलावा रोटरी क्लब नेरचौक के अध्यक्ष अमृतपाल सिंह, सचिव, शिवकुमार के अतिरिक्त सहयोग व साकार विद्यालयों के स्टाफ सदस्य और रोटरी क्लब नेरचौक के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

Latest Jobs

Together, these initiatives highlight VGC Mandi's active engagement with the community and its efforts to support inclusive educational development.

I. Educational Excursion by Department of Education

Objectives of the Visit:

The field visit conducted by the Department of Education aimed to:

- Strengthen institutional commitment to social inclusiveness and community engagement.

- Provide students with an applied understanding of special education practices.
- Enhance empathy, sensitivity and awareness regarding learner diversity.
- Encourage student participation in activities promoting social responsibility and inclusive educational values.

Interactive Activities Conducted

To ensure meaningful participation, the department organised interactive activities for engaging with the children:

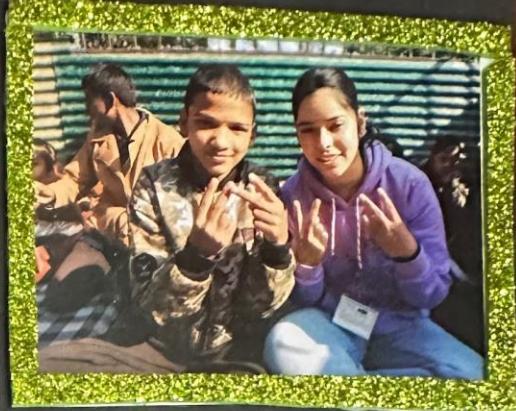
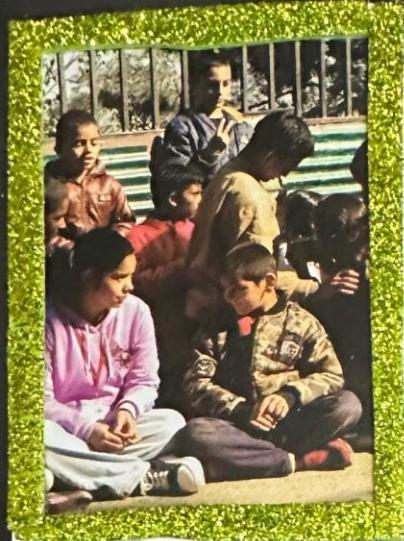
- **Communication and Social Interaction Activity**

A structured interaction session was held in which VGC students engaged children in conversation, expression exercises, and play-based communication. This activity helped students observe emotional expression, communication abilities and social behaviour patterns among learners with intellectual disabilities. This activity was followed by a detailed report writing by the students





These participatory engagements enabled students to become active contributors rather than passive observers. This activity was also followed by a detailed report writing on the excursion. The entire group, comprising 33 students, submitted their reports in which they reflected not only on their academic learning but also on the valuable life experiences gained through interaction with the special children.



इन बच्चों को मिलने के बाद मुझे जीवन का वास्तविक डर्छि
समझ आया। हम अपने छोटे से दुःख के आधारकृति के
प्रदर्शन करने लगे और सीधते हैं कि दुनिया की
सारी मुद्राकिलों सिफे हमारे ही जीवन में आ गई हैं।
हम मुद्राकिलों से लड़ने के बाब्य, हार मान लेते हैं।
किन्तु इन बच्चों को अपने रुद के बारे में जात नहीं
है किंतु जी ये हमेशा हैं सते युसुकराते रहते हैं।
इसलिए हमें इनसे सीख लेने चाहिए, कि जीवन में कितनी
गी बड़ी मुद्राकिल क्यों न आ जाए हमें उसका सामना
हैं सते हुए करना चाहिए। उद्दे इन बच्चों से एक अलग-सा
पुड़ाव महसूस हुआ। ऐसा लग रहा था मानों मैं इन सब में से
ही सक हूँ। शायद एक अलग ही रिशता बन गया इन बच्चों
के साथ। मैं Trip के पाइं उद्दी हमेशा याद रही है। हमेशा
Innocent रहने वाली मैं इन बच्चों के साथ रुल-मिल गई
थी। मैंते एक बात इन बच्चों में महसूस की वी बात थी
एक उम्मीद। उम्मीद घर जानी लाई। शायद उनकों पै बातें

उपादा याहू न रहीं किर जी कशी जकारी और याहू बनको
जरुर सतानी हैं।

**अपने हैसलों के बलपर हम
अपनी प्रतिभा दिखा देंगे।**

**भले कोई मंच ना दे हमको
हम मंच अपना बता लेंगे।**

**जो कहते खुद को मिलारा
बगामगा कर उनके सामने ही।**

**प्रसक कर देंगे उनकी फीकी
और सूख खुद को बनालेंगे!!**

Observations and Educational Insights

The visit helped students develop a compassionate understanding of children with special needs and the essence of inclusive education:

- Students realised that honouring each child's individuality through flexible, paced learning is an act of empathy as much as a teaching method.
- They learned how multisensory activities, gentle repetition, and simplified tasks help children feel secure, capable, and encouraged.
- They observed that therapies such as occupational, behavioural, and speech support nurture a child's dignity and independence.
- They understood that an inclusive environment grows from kindness, patience, and positive reinforcement, where every effort is valued.

Most importantly, students learned that each child expresses emotions and sociability in unique ways, reminding them that working with special children requires sensitivity, respect, and genuine human connection rather than sympathy or overprotection.

II. Skill Development Programme by Department of Botany in Collaboration with Rotary Clubs

Parallel to the educational visit, Department of Botany, VGC Mandi organised a Skill Development Programme at Sahyog School as part of a 10-day training initiative (From 6 May, 24 to 16 May, 2024) conducted in collaboration with Rotary Club Mandi and Rotary Club Nerchowk.



संजीव शास्त्री

सहयोग विद्यालय में रोटरी क्लब मंडी और रोटरी क्लब नेरचौक के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 10 दिवसीय पर्यावरण-अनुकूल कौशल विकास प्रशिक्षण का समापन समारोह आज उत्साह और प्रेरणा से परिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। यह अनूठी पहल विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने और उनके भीतर छिपी रचनात्मकता को उभारने की दिशा में एक प्रेरक प्रयास रही।

इस प्रशिक्षण के दौरान बच्चों ने चीड़ की सूखी पत्तियों से कोस्टर, राखियाँ, टोकरियाँ, की-रिंग्स और पेन स्टैंड जैसे उपयोगी और आकर्षक उत्पाद तैयार किए।

समापन अवसर पर आयोजित प्रदर्शनी में इन हस्तनिर्मित उत्पादों को रोटरी सदस्यों और अतिथियों द्वारा सराहना ही नहीं मिली, बल्कि मीके पर ही उन्हें खरीदा भी गया, जिससे बच्चों का आत्मविश्वास दोगुना हो गया।

इस अवसर पर बल्लभ राजकीय महाविद्यालय मंडी से डॉ. तारा देवी, डॉ. दीपाली अशोक और डॉ. नीतू पाठनिया ने बच्चों की मेहनत और गुणवत्ता की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण सशक्त भविष्य की नींव है।

रोटरियन राकेश ने बच्चों के उत्पादों की तारीफ करते हुए भविष्य में सभी उत्पाद खरीदने का आश्वासन दिया।

उन्होंने कहा, "इन बच्चों में अपार प्रतिभा है, ज़रूरत है उन्हें सही दिशा और प्रोत्साहन देने की।"

यह समापन समारोह इस बात का प्रतीक है कि जब सेवा संगठनों और शिक्षण संस्थानों की सोच एक हो, तो हर विशेष बच्चा सामाज्य से भी अधिक विशेष बन सकता है।

Focus and objectives of the Programme

The main objective of this programme was to develop skills in specially-abled students. They were trained to make handicrafts using Pinus needles, which not only enhanced their creativity but also helped improve their concentration, focus and muscle control. Primary focus was on:

Training students to create eco-friendly products using natural resources such as pine needles, grasses and vajratantumala.

Promoting environmental sustainability and vocational self-reliance among specially-abled children.

Supporting skill building that could offer long-term livelihood relevance.

Empowering special children through skill training in Mandi

DIPENDER MANTA
HIMACHAL NEWS SERVICE

MANDI, MAY 5

In a heartening step towards inclusivity, environmental sustainability and skill empowerment, the Rotary Club of Mandi, in collaboration with the Rotary Club of Nерчowк, has launched a 10-day skill training programme, specially designed for children with special needs from Sahyog and Sakar Schools in Mandi district on Monday.

The inaugural session of the initiative was held at Sahyog School, marking a significant stride towards capacity building, ecological awareness and community engagement.

A spokesperson for Mandi Rotary Club said the programme focused on training intellectually disabled children in the art of creating eco-friendly products using pine needles—a locally available but often underutilised natural resource. Under the guidance of skilled trainers, students and vocational instructors would learn to craft aesthetic and functional items using pine needles, wild grasses, pine cones and Vajantimala beads.

"The initiative aims to nurture creativity, build confidence and promote self-reliance, while encouraging sustainable livelihoods and

Rotary Clubs of Mandi, Nерчowк launch 10-day programme

addressing forest fire prevention through the productive use of dry biomass," the spokesperson said.

The botany department of Vallabh Government College, Mandi, is actively supporting the initiative as part of its ongoing commitment to sustainable utilisation of forest resources. Renowned eco-entrepreneur Santosh Sachdeva, widely appreciated for promoting and marketing pine needle crafts at local fairs and exhibitions, is spearheading the training. She has also pledged to purchase the students' hand-crafted products, creating a real-world value chain and enhancing the market exposure of their skills.

Speaking on the occasion, Sachdeva remarked, "There is a growing demand for eco-friendly pine needle products, but the supply often falls short due to a lack of skilled artisans and community awareness. Initiatives like this can address environmental challenges, generate livelihoods and empower children with special needs to become self-reliant and confident contributors to society."

The inaugural ceremony

was graced by dignitaries from both Rotary Clubs, including Hem Raj (president, Mandi Rotary Club), Kaushlesh Kapoor (secretary, Mandi Rotary Club), Tara Sen Thakur (senior assistant professor, botany department, Vallabh Government College, Mandi), Surender Mohan, ML Gupta, Lata Gupta, and Dharmender Rana (Rotary Mandi), Amritpal Singh (president, Nерчowк Rotary Club) and Shiv Kumar (Secretary, Rotary Club Nерчowк).

The programme also saw enthusiastic participation from staff members of Sahyog and Sakar Schools, along with other dedicated members of the Rotary Club of Nерчowк, who pledged their continued support for this cause.

Adding an academic dimension to the event, three BSc 1st year botany students—Heena, Yogita and Jitender—attended the programme as part of their exposure visit, gaining first-hand experience in community-based ecological entrepreneurship.

"This collaboration sets an inspiring example of how educational institutions, service organisations and individual change-makers can come together to build a more inclusive, skilled and sustainable society," said Tara Sen Thakur.



Rotary Club members attend a skill development programme at Sahyog School. PHOTO: JAI KUMAR

This activity proved highly beneficial in strengthening their overall abilities. Moreover, this handicraft training was an effort to make them more self-dependent and to help them take a meaningful step towards self-reliance.

This programme strengthened community linkages and demonstrated VGC Mandi's commitment to contributing to social empowerment and sustainable development.

Impact on Student Learning and Institutional Outcomes

Through these activities, students developed not only academic insights but also a stronger sense of social responsibility and human connection:

- They gained a deeper, values-based understanding of inclusive and special education, recognising it as a shared community duty to ensure dignity and equal opportunities for every child.
- Their practical exposure to differentiated learning and behavioural diversity helped them appreciate the importance of meeting each child where they are, with compassion rather than judgement.
- Students cultivated ethical sensitivity, empathy, patience, and reflective practice, realising that supporting children with special needs is fundamentally rooted in humanity and collective care.
- They developed a renewed appreciation for community collaboration and inter-institutional partnerships, understanding that meaningful inclusion can only be achieved when schools, families, and society work together.

These outreach efforts served as transformative experiential learning opportunities and supported the broader goals of the institute by promoting inclusive practices and community engagement.

Conclusion

The two outreach activities conducted by VGC Mandi at Sahyog Residential School—an Educational Excursion and a Skill Development Programme—collectively reflect the college's strong commitment to community participation and inclusive education. Through structured engagement, observation, and collaborative activities, students were able to understand diverse learner needs while contributing meaningfully to a special school setting.

<https://www.vgcmandi.co.in/images/2025-26/reports/education/Community-participation.pdf>



Principal
Vallabh Govt College Mandi Hp

INNOVATIVE INITIATIVE

3. SALE OF MEDICINAL PLANTS TO PM SHRI JAWAHAR NAVODAYA VIDYALAYA

The Department of Botany, in collaboration with the Incubation Cell (Research and Innovation), Vallabh Government College, Mandi, has implemented an innovative outreach practice by supplying 75 medicinal plants to PM Shri Jawahar Navodaya Vidyalaya in March 2025. This initiative aligns with the National Education Policy and Atmanirbhar Bharat by integrating traditional medicinal knowledge with experiential learning at the school level. Through the propagation and distribution of ethnobotanically important plant species, the college has strengthened industry-academia-school linkages, promoted conservation awareness, and supported a self-sustainable medicinal plant nursery. The activity also reflects entrepreneurial and innovation-driven practices by utilizing the incubation center's resources to meet real-world educational and community needs. The total cost of these plants amounted to **Rs. 14,990**, which has been **successfully deposited into the account of the Botany Department cum Incubation Center (Research and Innovation account no)**.

https://www.vgcmandi.co.in/Botany_dept.aspx

Title of Activity	Sale of Medicinal Plants to PM Shri Jawahar Navodaya Vidyalaya
Organizing Department	Research and innovation committee along with botany department.
Collaborating agency/department (if any)	PM Shri Jawahar Navodaya Vidyalaya
Date of activity	15 th March to 28 th March, 2025
Overview of Programme	<p>The Department of Botany, in collaboration with the Incubation Cell (Research and Innovation), Vallabh Government College, Mandi, has taken a significant step toward promoting awareness and practical exposure to medicinal plants among school students. In alignment with the objectives of the National Education Policy and Atmanirbhar Bharat initiative, the college received a formal demand from PM Shri Jawahar Navodaya Vidyalaya for a set of medicinal plants to be used in educational and health awareness activities on campus.</p> <p>A total of 75 medicinal plants were supplied in month of March,2025, including the following species known for their ethnobotanical and therapeutic relevance:</p> <ol style="list-style-type: none">1. <i>Withania somnifera</i> (Ashwagandha)2. <i>Bacopa monnieri</i> (Brahmi)

	<p>3. <i>Centella asiatica</i> (Gotu Kola) 4. <i>Eclipta prostrata</i> (Bhringraj) 5. <i>Phyllanthus niruri</i> (Bhumi Amla) 6. <i>Moringa oleifera</i> (Drumstick Tree) 7. <i>Clitoria ternatea</i> (Aparajita) 8. <i>Catharanthus roseus</i> (Sadabahar) 9. <i>Acorus calamus</i> (Vacha) 10. <i>Anacyclus pyrethrum</i></p> <p>The total cost of these plants amounted to Rs. 14,990, which has been successfully deposited into the account of the Botany Department cum Incubation Center (Research and Innovation account no).</p>
Outcomes	<p>This initiative not only fulfils a practical demand but also contributes to the broader goals of:</p> <ul style="list-style-type: none"> • Encouraging the integration of traditional knowledge in school-level learning • Promoting conservation and propagation of medicinal plants • Supporting innovation and entrepreneurial activities through the college incubation cell • Maintain self-sustainable medicinal and ornamental plant nursery. <p>Such collaborations are instrumental in bridging educational institutions and grassroots-level outreach, ultimately strengthening the ecosystem of research, innovation, and sustainability.</p>



प्री.एम. श्री स्कूल
जवाहर नवोदय विद्यालय
(नवोदय विद्यालय समिति की एक इकाई)
विद्यालय मन्त्रालय, स्कूली शिक्षा एवं
साक्षरता विभाग, भारत सरकार
गाँव-पंडोह, जिला-मंडी,
राज्य-हि.प. पिन कोड-175124

PM SHRI SCHOOL
JAWAHAR NAVODAYA VIDYALAYA
(A Unit of Navodaya Vidyalaya Samiti)
Ministry of Education, Deptt. Of School
Education Literacy, Govt. of India
Village-Pandoh, District-Mandi
State-HP Pin Code: 175124



Ref. No.1-46/JNVMD/2024-25/ 1579
To

Dated:- 22.03.2025

The Principal,
Vallabh Government College,
Distt. Mandi H.P.
Subject:- Purchase of Herbal/Kitchen Garden Plants-reg.

Sir,

On the subject cited above it is stated that our Vidyalaya intends to purchase the following plants under PM Shri Programme (Green School Head).

S.NO.	NAME OF ITMES	QUANTITY REQUIRED
1	ASHWAGANDHA	10Nos.
2	BRAHMI	10Nos.
3	BRAHMI,GOTU KOLA	10Nos.
4	BHRINGRAJ	10Nos.
5	AKARKARA	05Nos.
6	APARAJITA	05Nos.
7	SAINJNA (DRUMSTICK)	05Nos.
8	BHUMI AMALAKI	05Nos.
9	VINCA ROSEA	11Nos.
10	BARE	04Nos.

So, it is requested to your good-self to kindly do the needful & provide estimate cost/bill in this regard.

Thanking you.

Yours faithfully,

S.D.Sharma
PRINCIPAL
प्राचारण/प्रिमोपाय
जवाहर नवोदय विद्यालय
Jawahar Navodaya Vidyalaya
पंडोह जिला-मंडी (H.P.)-175124
Pandoh Distt. Mandi (H.P.)-175124

Scanned with OKEN Scanner

BILL/CASH

070181-27900

PRINCIPAL VGC MANDI
BOTANICAL RESEARCH AND INCUBATION FUND
Vallabh Government College Mandi, Teh. Sadar, Distt. Mandi (H.P.)

No. 054 Dated 24/3/25
Name Principal P.M. Shri School
Address Jawahar Navodaya Vidyalaya Samiti, Mandi

Sr.	Particulars	Qty.	Rate	Amount
			Rs.	P.
1	Ashwagandha	10	18/-	180/-
2	Brahmi	10	24/-	240/-
3	Brahmi Golu Kala	10	18/-	180/-
4	Bhairav	10	15/-	150/-
5	Akarkoppa	5	21/-	105/-
6	Sainjita	5	22/-	110/-
7	Bhumi Amalaki	5	11/-	55/-
8	Vinca Rosea	11	11/-	121/-
9	Vinca Amalaki	5	11/-	55/-
10	Baize	11	30/-	330/-
11	Aparajita	5	210/-	1050/-
SBI Account no. 42036065298 IFSC Code : SBIN0010320 Treasury Payee Code : M020810070				14990/-
			Total	14990/-

E. & O.E.
1) Goods once sold can not be taken back.
2) All disputes subject to Mandi Jurisdiction only.

Signature





**Principal
Vallabh Govt College Mandi Hp**

INNOVATIVE INITIATIVE

4. COMPUTER APPLICATIONS IN SCIENCE: AN INNOVATIVE INSTITUTIONAL INITIATIVE FOR DIGITAL SKILL DEVELOPMENT

To strengthen students' digital readiness, the institution has introduced an innovative initiative by integrating advanced computer applications into the undergraduate science curriculum. Through the Computer Applications in Science course, students are provided with hands-on training in essential digital tools that directly support scientific learning and professional development.

Under this initiative, learners are taught to use MS Office for scientific documentation, data handling, and presentation work. They gain practical experience in MS Excel for data analysis and plotting, enabling them to interpret scientific results with accuracy. The programme further introduces students to specialised software such as Origin for scientific graphing and Avogadro for drawing chemical structures. This exposure helps them visualise scientific concepts, work on research-oriented assignments, and apply interdisciplinary digital skills in real contexts.

The initiative aims to bridge the gap between theoretical science knowledge and technological application. By integrating modern software tools into routine teaching, the college enhances students' confidence, improves their research capabilities, and equips them with skills aligned with the expectations of today's digital workplace. This innovative step reflects the institution's commitment to fostering technologically proficient and industry-ready graduates.


Vallabh Govt. College Mandi (H.P.)
Internal Quality Assurance Cell (IQAC)
Activity Proposal Submission Format

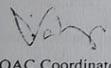
Title of Activity	<i>A Certificate Course on Essential Computer Application Skills for Undergraduate Science Students</i>
Organizing Department	<i>Department of Physics</i>
Collaborating agency/department (if any)	<i>Chemistry Department</i>
Proposed Date of activity	<i>September and October 2024</i>
Overview of Programme	<i>---Proposal Attached---</i>
Objectives of the Programme	<i>---Defined in attached Proposal ---</i>
Expected Outcomes	<i>--- Defined in attached proposal---</i>

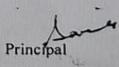
Proposal submitted By:

1. Dr. Sanjay Kumar, Assistant Professor of Chemistry
 2. Dr. Jitender Kumar, Assistant Professor of Physics
 3. Dr. Surender Kumar, Assistant Professor of Physics

(Course Coordinator) *T. Kumar*
 (Course Coordinator) *J. Kumar*
 (Course Coordinator) *S. Kumar*

Proposal Approved by:


 IQAC Coordinator


 Principal

<p style="text-align: center;">A Certificate Course on Essential Computer Application Skills for Undergraduate Science Students</p>	
Course Credits: 04 (L=01 P=03)	Course Duration = 32 Hours

Objective

In present day digital world, computer skills have become essential for almost every career. With the emerging of new technologies and increasing reliance on digital platforms, strong computer skills are prerequisite for any profession. However, college pass out students in Himachal Pradesh are having a little knowledge about how to make efficient use of computers in their respective subjects; thereby lacking in professional competition at national and global level. Hence, blending the undergraduate subject knowledge with certain essential computer skills related to subject will help students to develop confidence in technology operations. These skills can be applied in student life by helping them to prepare their curriculum assignments, troubleshoot current technologies, and transfer that knowledge to explore emerging technologies.

Learning outcomes:

After the completion of this course the students will be able to:

- ↳ Use various scientific notations and equation editor of MS office for writing the scientific data
- ↳ Apply the basic operations of spreadsheet applications
- ↳ Apply the MS excel and Origin draw to plot Scientific data
- ↳ Apply chem draw software to draw various structures of organic molecules.
- ↳ Operate various software resources like Avogadro with advanced functions and its open office substitutes
- ↳ Effectively write a scientific document using above mentioned skills.

Unit-I: Basics of Computer Hardware and softwares (6 Hours)

Computer Hardware & Software: Components of computer hardware like CPU, Motherboard, RAM, Hard Drive, Monitor, Input and output devices, Introduction to DOS, Windows and Linux Operating Systems. Information of pre-installed softwares in computers. Installation of softwares in window and Linux.

Microsoft Office: Introduction to MS Word, Power Point, MS Excel, Text Basics, Text Formatting and saving file, Working with Objects, Header & Footers, working with bullets and numbered lists, Tables, Styles and Content, Merging Documents, Sharing and Maintaining Document and Printing. Perform Calculations in excel sheet, Sort and Filter Data with Excel, Scientific symbols and use of Equation editor

